

B.A. PART III (HONS.) EXAMINATION, 2020

SUBJECT: SANSKRIT

PAPER: VI

(NEW & OLD SYLLABUS)

Time: 2 Hours

Full Marks: 50

The figures in the margin indicate full marks. Candidates are required to give the answers in their own words as far as practicable.

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु द्वौ प्रश्नौ समाधेयौ। 10×2=20
(निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে দুটি প্রশ্নের উত্তর দাও।)
- (क) काव्यादर्शकारस्य मतमनुसृत्य दृष्टान्तसहयोगेन वैदभी-गौड़ी-रीत्योः पार्थक्यं निरूपयताम्।
(काव्यादर्शकारेण मतबलान्धने दृष्टान्त सहयोगे वैदभी ओ गौड़ी रीतिर पार्थक्य निरूपण कर।)
- (ख) दशिनो मतमनुसृत्य यथाग्रहं ग्राम्यातादोषः प्रतिपादयताम्। काव्ये कथं दोषः अयं परिहातव्यः इति च विचार्यताम्।
(ग्राम्याता दोष सम्पर्के दशिर मत आलोचना कर। काव्ये ग्राम्याता दोष परित्याग करा उचित केन?)
- (ग) काव्यालङ्कारसूत्रवृत्ति इति ग्रन्थमवलम्ब्य काव्यभेदाः आलोचयताम्। काव्यरचनायां विद्यानां गुरुराश्च प्रतिपादनीयम्।
(काव्यालङ्कारसूत्रवृत्ति अनुसारे काव्येर भेदसमूह आलोचना कर। काव्यरचने विद्यासमूहेर गुरुराश्च लेख।)
- (घ) साहित्यदर्पणस्य दशमपरिच्छेदस्य नाम किम्? साहित्यदर्पणकारस्य मतेन उपप्रेक्षालङ्कारस्य लक्षणं सोदाहरणं व्याख्यायताम्।
(साहित्यदर्पणेर दशम परिच्छेदेर नाम कि? साहित्यदर्पणकारेण मते उपप्रेक्षा अलङ्कारेण लक्षण उदाहरण सहयोगे व्याख्या कर।)
2. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु षट् प्रश्नाः समाधेयाः। 5×6=30
(निम्नलिखित षे कोनो छयटि प्रश्नेर उত্তर दाओ।)
- (क) इह शिष्टानुशिष्टता शिष्टानामपि सर्वथा।
वाचामेव प्रसादेन लोकयात्रा प्रवर्तते।।
—कारिकेयं व्याख्या। (कारिकाटि व्याख्या कर।)
- (ख) “गद्यपद्यमयी काचिच्चम्पूरित्यभिधीयते”—
इति दशिमतमाधृत्य आलोचयत।
(उक्तिटि दशिर मत अनुसारे आलोचना कर।)
- (ग) “संस्कृतं नाम दैवीवाग्वाख्याता महर्षिभिः”—
इत्यत्र सूत्रं ‘संस्कृतम्’ इति पदस्य व्युत्पत्तिं निर्णय उक्तिमिमां व्याख्यात।
(‘संस्कृतम्’ पदटि यथार्थ सूत्रसह व्युत्पत्ति निर्णय करे उक्तिटि व्याख्या कर।)
- (घ) “कविस्वबीजं प्रतिभानम्”—अत्र ‘बीजम्’ इति पदस्य किं तावत् तात्पर्यम् वामनमतानुसारेण तदुल्लिख्य सूत्रम्
इदं व्याख्यायत।
(एथाने ‘बीजम्’ कथाटि तात्पर्य की? वामनेर मत अनुसारणे उक्तिटि व्याख्या कर।)
- (ङ) “क्रमसिद्धिसंयोगः स्रग्भ्रंशसर्व” —सप्रसङ्गं सूत्रमिदं व्याख्यात।
(प्रसङ्ग सह सूत्रटि व्याख्या कर।)
- (च) विश्वनाथमनुसृत्य उपमा-अलङ्कारस्य लक्षणं सोदाहरणं व्याख्यायताम्।।
(विश्वनाथेण अनुसारणे उपमा अलङ्कारेण लक्षण उदाहरण सह व्याख्या कर।)

(ছ) কারণনির্দেশপূর্বকম্ অলংকারঃ নির্ণেয়ঃ । [সরলসংস্কৃতেন]—

(কারণ নির্দেশপূর্বক অলংকার নির্ণয় কর । [সরল সংস্কৃতে])

সৌরভমশ্চোরাহবন্থস্য কুস্তাবিব স্তনৌ পীনৌ ।

হৃদয়ং মদয়তি বদনং তব শরদিন্দুর্যথা বালে ॥

(জ) কারণনির্দেশপূর্বকম্ অলংকারঃ নির্ণেয়ঃ । [সরলসংস্কৃতেন]—

(কারণ নির্দেশপূর্বক অলংকার নির্ণয় কর । [সরল সংস্কৃতে])

আহবে জগদুদগু ! রাজমণ্ডলরাহবে ।

শ্রীসিংহমহীপাল ! স্বস্ত্যস্ত তব বাহবে ॥